नैतिक और कानूनी

हाल के वर्षों में व्यावसायिक उद्देश्य के लिये 'किराये की कोख' का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। संपन्न तबका और सेलिब्रिटी अपना शौक पूरा करने के लिये मजबूर मां को माध्यम बनाने लगे थे। विदेशों से भी लोग भारत में किराये की कोख की तलाश में बड़ी संख्या में आने लगे। कारोबार अरबों डॉलर तक जा पहुंचा। ढलती उम्र में बच्चे पाने का शौक, महिलाओं की प्रसव की जटिलताओं से बचने की चाह, एकल पिता, लिव-इन-रिलेशन तथा समलैंगिक जोड़ों द्वारा सरोगेसी से संतान पाने की खबरें सुर्खियों में रहीं। मगर कोई प्रभावी कानून न होने के कारण बिचौलियों व बच्चा चाहने वालों की मनमानी चलती रही। सरकार ने इसे कानूनन नैतिक व जवाबदेह बनाने का प्रयास किया ताकि भविष्य में बच्चे के उत्तराधिकार की रक्षा हो सके। बच्चे को न स्वीकारने पर सजा व जुर्माने का प्रावधान हो सके। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को व्यावसायिक सरोगेसी पर रोक लगाने वाले एक विधेयक को मंजूरी दी, जिसमें आप्रवासी विवाहित भारतीय जोड़ों को केवल परोपकारी व नैतिक सरोगेसी की अनुमति दी गई। पांच साल तक नि:संतान रहने वाले भारतीय दंपति मेडिकल सर्टीफिकेट देकर इसके अधिकारी हो सकते हैं।

विधेयक में प्रावधान है कि भारतीय मूल के व्यक्ति यों, भारत के विदेशी नागरिकों, एलजी बीटी समुदाय के सदस्यों, एकल माता-पिता और लिव इन में रहने वालों के लिये सरोगेसी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके अलावा देश में किसी नजदीकी रिश्तेदार महिला से ही सरोगेसी से संतान पायी जा सकेगी। उसका आधार व्यावसायिक नहीं हो सकता। बच्चे के उत्तराधिकार व वैधता को लेकर नैतिक दृष्टिकोण से भी यह जरूरी था। दरअसल सरोगेसी के साथ विकसित व्यावसायिक तंत्र देशी-विदेशी ग्राहकों के लिये असहाय व गरीब महिलाओं की मजबूरी का लाभ उठाने लगा था। जरूरतमंद महिलाओं को औने-पौने दाम देकर उनके शोषण के आरोप भी लगे थे। नये विधेयक में बच्चा पैदा करने वाली महिला तथा किसी भी स्थिति में पैदा हुए बच्चे के अधिकारों की रक्षा का भी प्रावधान है। इसमें वित्तीय क्षतिपूर्ति भी शामिल है। सरोगेसी कराने वाली एजेंसी को भी जवाबदेह बनाया गया है। ऐसा न करने पर जेल व जुर्माने का प्रावधान है। नि:संदेह गर्भावस्था एक जटिल प्रक्रिया है और किराये की कोख देने वाली महिला की उचित देखभाल की भी जरूरत होती है। ऊंच-नीच होने पर इसे चुनौती देने का विकल्प होगा। पैदा हुए बच्चे की नागरिकता, परित्याग व दुरुपयोग जैसी समस्याओं का भी इसमें समाधान तलाशने की कोशिश हुई है क्योंकि यूरोप समेत कई देशों में यह गैरकानूनी है। कानून पात्र व्यक्ति यों को सूचीबद्ध करेगा।

अब स्विस बैंक में जमा ब्लैकमनी की मिलेगी पूरी जानकारी!

नईदिल्ली (आरएनएस)। स्विस बैंक में भारतीयों के खातों की जानकारी अब जल्द ही आधिकारिक तौर पर मिलने वाली है। 30 सितंबर की समय सीमा से पहले भारत और स्विट्जरलैंड, बैंकिंग से संबंधित जानकारियों का पहली बार आदान-प्रदान करेंगे। यह दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित सूचना के स्वचालित विनिमय (एईओआई) समझौते का अनुसरण करता है। यह समझौता जनवरी 2018 से लागू हुआ है।

माना जा रहा है कि 30 सितंबर से पहले भारत और स्विट्जरलैंड इन सभी जानकारियों को सांझा करेंगे। इसमें खास बात यह हैं कि सूचनाएं आदान-प्रदान करने के लिए स्विट्जरलैंड की संसदीय प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। इस समझौते के तहत अब बैंक से जुड़ी सूचनाएं शेयर करने का

रास्ता साफ हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्विस वित्त मंत्रालय और स्विस फेडरल टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने बताया कि भारत के मामले में ऐसी संभावना है कि सूचनाएं कई मुश्त में भेजनी पड़ जाए। इससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्विट्जरलैंड में सभी भारतीयों के बैंक अकाउंट की जानकारी को भारतीय टैक्स अधिकारियों से शेयर करनी पड़ सकती है।

स्विस एजेंसियों के मुताबिक इस साल 73 देशों के बैंक खातों की जानकारी शेयर की जाएगी। भारत भी उनमें से एक है। पिछले साल 36 देशों के साथ एईओआई समझौता लागू किया गया था। बताया जा रहा है कि बैंक अकाउंट से जुड़ी जानकारियों को शेयर करने के लिए स्विट्जरलैंड की संसदीय प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया डेटा की डिलीवरी के बाद स्विस खाता विवरण की तुलना खाताधारकों के टैक्स रिटर्न से की जाएगी और जहां भी आवश्यक होगी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि इस साल स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा रखे जाने वाले धन के मामले में भारत का स्थान एक पायदान नीचे फिसलकर 74वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल इस सूची में भारत का स्थान 73वां था जबकि उससे पिछले साल यह 88वें पर था।

ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने ब्याज दर 0.10 प्रतिशत तक घटायीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) ने कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण ब्याज दरों (एमसीएलआर) में 0.10 प्रतिशत तक की कटौती की है। यह ब्याज दरें बृहस्पतिवार से प्रभावी होंगी। शेयर बाजार को दी जानकारी में बैंक ने बताया कि एक दिन और एक महीने की अवधि वाले ऋण पर ब्याज दर को 0.10 प्रतिशत घटाकर क्रमशः 8.20 और 8.25 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले यह ब्याज दरें क्रमशः 8.30 और 8.35 प्रतिशत थीं। इसी तरह तीन माह, छह माह और एक वर्ष की अवधि वाले ऋण पर ब्याज दर को 0.05 प्रतिशत घटाया गया है। यह क्रमशः 8.45, 8.55 और 8.65 प्रतिशत हो गयी हैं। पहले यह क्रमशः 8.5, 8.6 और 8.7 प्रतिशत थीं। इसी सप्ताह रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जतायी थी कि रेपो दरों में की गयी कमी का लाभ बैंक जल्द ही ग्राहकों तक पहुंचाएंगे। वर्ष 2019 में रेपो दरों में अब तक 0.75 प्रतिशत तक की कटौती की जा चुकी है और मौजूदा समय में यह 5.75 प्रतिशत है।

स्टेट बैंक ने ब्याज दर में 0.05 प्रतिशत कटौती की, सस्ता हुआ लोन

मुंबई (आरएनएस)। आज के दौर में कर्ज की जरूरत हर किसी को होती है। हर आदमी क सपना होता है कि वह अपना घर खरीदे इसी कारण कई लोग बैंकों से लोन लेकर अपने घर बनाते हैं। अगर आप भी एसबीआई के ग्राहक को तो यह खबर आपके लिए ही है। भारतीय स्टेट बैंक ने अपने ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। एसबीआई ने आज यानी 10 जुलाई से होम या ऑटो लोन लेना सस्ता कर दिया है। एसबीआई के इस तोहफे का फायदा बैंक के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक उठा सकते हैं।

दरअसल, भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी सभी अवधि के कर्ज पर सीमांत लागत आधारित ब्याज दर में 0.05 फीसदी की कटौती की है। बैंक के इस फैसले के बाद 1 साल की अवधि के होम लोन पर न्यूनतम ब्याज दर 0.05 फीसदी घटकर 8.40

फीसदी हो गया है। करीब 4 महीने के भीतर यह तीसरी बार है जब एसबीआई ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे पहले बैंक ने अप्रैल और मई में ब्याज दर में 0.05-0.05 फीसदी कटौती की थी। इस दौरान एसबीआई के होम लोन पर ब्याज दर में 0.10 फीसदी तक की कमी आई।

बता दें कि एसबीआई ने अपने ग्राहकों को 1 जुलाई से रेपो रेट से जुड़े होम लोन पेश करने का ऐलान किया था। इसका मतलब यह हुआ कि अब जब भी आरबीआई रेपो रेट में बदलाव करेगा एसबीआई के होम लोन की ब्याज दरें भी कम या ज्यादा होंगी। एसबीआई ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों से रेपो रेट कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने को कहा था।

दरअसल, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि रेपो दर में एक के बाद एक तीन बार में 0.75 फीसदी कटौती किये जाने के बाद उन्हें बैंकों द्वारा इसका लाभ ग्राहकों तक जल्द पहुंचाये जाने की उम्मीद है। शक्तिकांत दास के पद संभालने के बाद से आरबीआई लगातार तीन बार रेपो रेट में कटौती कर चुका है। लेकिन इसके बावजूद बैंकों ने उम्मीद के मुताबिक ग्राहकों को ब्याज दर में छूट नहीं दी है।

नरेश गोयल को विदेश जाने के लिए जमा कराने होंगे 18 हजार करोड़

नईदिल्ली (आरएनएस)। जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की मुसीबतें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को नरेश गोयल को विदेश जाने की अनुमति देने से मना कर दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अगर गोयल विदेश यात्रा करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले बतौर गारंटी 18,000 करोड़ रुपये जमा कराने होंगे। इसके अलावा हाईकोर्ट ने नरेश गोयल के खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

आज सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि इस समय गोयल को कोई अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती है और यदि वह तत्काल

विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो उन्हें गारंटी के तौर 18,000 करोड़ रुपये जमा कराने होंगे। उल्लेखनीय है कि 25 मई को नरेश गोयल और उनकी पत्नी अनीता गोयल को विदेश जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। मुंबई एयरपोर्ट पर गोयल दंपति को आव्रजन अधिकारियों ने दुबई जाने वाले विमान में सवार नहीं होने दिया था। वे दुबई की विमानन कंपनी एमिरेट्स की उड़ान संख्या ईके-507 से दुबई जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने विमान में अनिता गोयल के नाम से लोड हो चुके सामान को भी वापस निकाल लिया था।

शुरुआती कारोबार में रुपया 16 पैसे कमजोर

मुंबई (आरएनएस)। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी निवेशकों के

लगातार निकासी के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे टूटकर 68.67 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 68.61 के कमजोर रुख के साथ खुला। जल्द ही यह 16 पैसे गिरकर 68.67 रुपये प्रति डॉलर पर चल रहा है। मंगलवार को डॉलर के मुकाबने रुपया 68.51 पर बंद हुआ था। आरंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मंगलवार को घरेलू पूंजी बाजार से 674.26 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इसी बीच ब्रेंट कच्चा तेल 0.89 प्रतिशत चढ़कर 64.73 पर रहा।

आज का राशिफल

मेषः- आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। सावधानी पूर्वक वहीं काम करने की चेष्टा करें, जिससे आपका आत्म सम्मान बढ़े।

वृषभः- आर्थिक मसलों में सोच समझकर किए गए निवेश फायदा दे सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ा सोच समझकर ही कोई भी फैसला लेना चाहिए।

मिथुनः- आज का दिन भागदौड़ और विशेष चिंता में व्यतीत हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

कर्कः- आज का योग उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है, जिसमें कुछ खर्चा भी संभव है। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार व परिवार में आमोद-प्रमोद का वातावरण रहेगा।

सिंहः- कार्यस्थल में ट्रांसफर आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा। व्यापार में निकटवर्ती सहयोगी के प्रति सच्ची निष्टा और मधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कन्याः- आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आएंगे, सबका सम्मान करें। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे।

तुलाः- आज का दिन आनंद में बीतेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक से कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

वृश्चिकः- आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी।

धनुः- आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी, जिससे बिजनस में फायदा होगा। आपके अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें।

मकरः- व्यापार-व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें, हो सकता है आगे समय न मिले।

कुंभः- आज जमीन-जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के बहुत सारे अवसर आपको मिलते रहेंगे।

मीनः- घरेलू स्तर पर मांगलकि कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रुचि व निकट की यात्रा संभव है।

दुती चंद ने विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्ण पदक जीता, रचा इतिहास

नेपल्स (आरएनएस)। भारत की शीर्ष महिला धावक दूती चंद ने यहां जारी 30वें समर यूनिवर्सिटी गेम्स में 100 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 11.32 सेकेंड का समय निकाला। सेमीफाइल हीट में मंगलवार को 23 वर्षीय धावक ने 11.41 सेकेंड का समय निकाला और फाइनल के लिए चालीफाई किया। खेल के इस संस्करण में भारत के लिए यह पहला स्वर्ण पदक है। इससे पहले, यूनिवर्सिटी गेम्स के इतिहास में किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने 100 मीटर स्पर्धा के

फाइनल में भी जगह नहीं बनाई थी।

दूती ने बुधवार को ट्वीट किया, वर्षो की मेहनत और आपकी दुआओं के कारण मैंने एक बार फिर नेपल्स में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 11.32 सेकेंड का समय निकालते हुए 100 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्वर्ण पदक के साथ भी अपनी एक फोट पोस्ट की और उसे कैप्शन दिया, इसे देखो, मुझे नीचे खींचने की कोशिश करोगे और मैं मजबूती से वापसी करुं गी। दूती एशियाई खेलों में भी दो रजत पदक जीत चुकी है।

एनसीएलएटी ने खारिज की एचडीएफसी की आरएचसी होल्डिंग्स के खिलाफ याचिका

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने अरबपति उद्यमी मालविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह द्वारा प्रवर्तित आरएचसी होल्डिंग्स कंपनी के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की वित्तीय सेवा कंपनी एचडीएफसी की याचिका बुधवार को खारिज कर दी। एनसीएलएटी के चेयरमैन न्यायाधीश एस. जे. मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने इस मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की प्रधान पीठ के आदेश को बरकरार रखा है। एनसीएलटी ने भी एचडीएफसी की याचिका को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने कहा कि एचडीएफसी की याचिका में उसे 'ठोस वजह' नजर नहीं आती और इसलिए यह सुनवाई योग्य नहीं है। एनसीएलएटी ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), भारतीय रिजर्व बैंक की निगरानी के दायरे में आती हैं, इसलिए इस बारे में केंद्रीय बैंक से उपाय पूछने चाहिए ना कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता

अदालत से। एनसीएलटी ने छह दिसंबर 2018 को दिए अपने आदेश में कहा था कि आरएचसी होल्डिंग्स एक एनबीएफसी कंपनी है और वह दिवाला एवं ऋण शोधन क्षमता संहिता के दायरे में नहीं आती है। एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ एचडीएफसी ने एनसीएलएटी का रुख किया था। एचडीएफसी ने आरएचसी होल्डिंग्से 41 करोड़ रुपये की वसूली के लिए एनसीएलटी में गयी थी। आरएचसी होल्डिंग्स कंपनी ने अप्रैल 2016 में एचडीएफसी से 200 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। कंपनी ने पहली तिमाही में इस ऋण का ब्याज समय पर चुकाया लेकिन बाद में उसने चूक करना शुरू कर दिया। एचडीएफसी के अनुसार गिरवी रखे शेयरों की बिक्री के बाद भी कंपनी के ऊपर उसका 41.09 करोड़ रुपया बकाया है।

शाही मशरूम बनाने की विधि ...

वैसे तो आपने कई प्रकार की मशरूम डिश खाई होगी लेकिन आज हम आपको शाही मशरूम बनाना बता रहे हैं। ये खाने में बहुत स्वादिष्ट होती है। आइए जानते हैं कैसे बनाते है शाही मशरूम

सामग्री-

-मशरूम- 200 ग्राम, -प्याज- 4, -टमाटर- 5, -अदरक- 1 टुकड़ा, -हरी मिर्च- 2, -नमक- स्वादानुसार, - लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, -गरम मसाला पाउडर- 1/2 चम्मच, -चीनी- 1 चम्मच, -क्रीम- 1 कप, -काजू- 1 कप, -घी- 3 चम्मच

विधि-

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट ले कड़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद

कड़ाही में टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस ऑफ करें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका पेस्ट बना लें अब उसी कड़ाही में बचाहुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार पेस्ट को घी में डालें अब कड़ाही में लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी औरकाजू का पेस्ट डालें। चार से पांच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें।

शब्द सामर्थ्य- 21

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

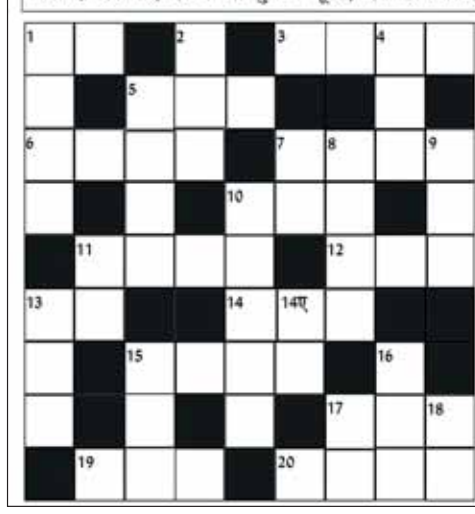

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 20 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नी	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू- 21

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.20का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6